



BY POONAM SHA



UMMEED
CLASSES

पार्ट 4

समास

द्वन्द्व, बहुव्रीहि समास



www.ummeedclasses.com



WELCOME
UMMEED
CLASSES

Like Video and Subscribe
our channel

Join us:



9269100222



UMMEED CLASSES



#Hinglish

By Poonam Ma'am

- 5) द्वन्द्व समास :- दोनों पद → प्रधान
→ 'या, अथवा, और, आदि'
उदा → 1) माता - पिता → माता और पिता
2) दाल - बारी → दाल, बारी आदि
3) सुख - दुःख → सुख या दुःख

द्वन्द्व समास के भेद

- 1) इतरेतर ⇒ और
- 2) समाहार ⇒ आदि / इत्यादि
- 3) वैकल्पिक ⇒ या / अथवा
- 4) संख्यावाची (तक) 11-18, 21-28

1) वतरेतर द्वन्द्व समास :- और, तथा, वं

उदा -> राधाकृष्ण = राधा और कृष्ण

भाई-बहिन = भाई और बहिन

पति-पत्नी = पति और पत्नी

सीताराम = सीता और राम

इकतीस = एक और तीस

पचपन = पाँच और पचास

2) समाहार द्वन्द्व समास :- आदि/इत्यादि

उदा → शेटी, कपड़ा = शेटी, कपड़ा आदि।

फल, फूल = फल, फूल आदि

-चाय-वाय = -चाय इत्यादि

तन, मन, धन = तन, मन, धन आदि

3) वैकल्पिक द्वन्द्व समास :- या/अथवा

गुणावगुण = गुण या अवगुण

गुण-दोष = गुण या दोष

यशाययश = यश या अपयश

लाभ-हानि = लाभ या हानि

आय-व्यय = आय या व्यय

4) संख्यावाची द्वन्द्व ९- तक'

* इसे इतरेतर द्वन्द्व समझ में शामिल
कर लिया गया।

उदा → पैंतीस \Rightarrow पाँच और तीस

अठाइस = आठ और तीस

पैंतालीस = पाँच और -चालीस

18-35 = अठारह से पैंतीस तक

बहुव्रीहि समास

- * दोनों पद → प्रधान नहीं।
- * तीसरा पद → प्रधान
- * तीसरे अर्थ का बोध कराए।

उदा → कमलासन → कमल का आसन है जिसका
(सरस्वती)

- ① मयूरवाहन = मयूर है वाहन जिसका अर्थ है कार्तिकेय
- ② आजानुबाहु \Rightarrow जानुओं (घुटनों) तक है भुजा जिसकी
- ③ पीताम्बर \Rightarrow पीले है अम्बर जिसके (श्रीराम)
- ④ गंगाधर \Rightarrow गंगा जिसके सिर पर है (विष्णु)
- ⑤ लम्बोदर \Rightarrow लम्बा है जिसका उदर (शिव)
- ⑥ चन्द्रशेखर \Rightarrow चंद्र है शिखा पर जिसके (शिव)

- ⑦ वज्रांग → वज्र के समान अंग है जिसे (हनुमान)
- ⑧ महावीर → महान् है जो वीर (हनुमान)
- ⑨ पुष्पधन्वा → पुष्प का धनुष है जिसका
(कामदेव)
- ⑩ पन्नगारि → पन्नाग (साँप) का शत्रु है जो
अर्थात् गरुड़

- ① दशानन → दस हँ आनन जिसेके (रावण)
② गजानन ⇒ गज के समान हँ आनन (गणेश)
③ एकदन्त → एक हँ दाँत जिसका (गणेश)

विशेष ⇒ ① द्वन्द्व और बहुव्रीहि दोनों में से

प्रथम प्राथमिकता → बहुव्रीहि

② कर्मधारय व बहुव्रीहि में से
प्रथम प्राथमिकता → बहुव्रीहि

THANKING YOU

FOR

WATCHING

UMMEED CLASSES



9269100222



UMMEED CLASSES



UMMEED_CLASSESOOI



**UMMEED
CLASSES**

